# पाठ / LESSON-5

1.0 ABOUT THE LESSON
2.0 TEXT आइए, बाज़ार चलें (वार्तालाप/ Conversation)
3.0 VOCABULARY
4.0 SENTENCE PATTERN & USAGES
5.0 SUPPLEMENTARY MATERIAL

## 1.0 ABOUT THE LESSON

In this text, we introduce another area to you where language is used for carrying on sale and purchase. Here, a market-situation is presented for this purpose.

## 2.0 TEXT - आइए, बाज़ार चलें (Let us go to the market)

Read the text aloud.

1. श्रीमती निर्मला और श्रीमती इला रविवार की शाम को सब्जी वगैरह खरीदने के लिए निकलती हैं। श्रीमती इला के घर के पास ही हर रविवार को बाज़ार लगता है । बाज़ार सड़क के दोनों ओर एक छोर से दूसरे छोर तक फैला है । यहाँ घर-गृहस्थी की जरूरत की चीज़ें मिलती हैं । सिले-सिलाए कपड़ों की छोटी-छोटी दुकानें हैं, जिनमें रंग-बिरंगी सलवार-कमीज़, बाबा सूट आदि टँगे रहते हैं । इस बाज़ार में प्लास्टिक का सामान भी मिलता है । सामने की कतार में खाने-पीने की चीजों की दुकानें लगती हैं । चाट और गोल-गप्पे की दुकानों पर सबसे ज्यादा भीड़ रहती है । इन सब के बाद शुरू होती है उन दुकानों की कतार जिनमें आलू-प्याज, बैंगन, गोभी, टमाटर, हरी मिर्च आदि सब्जियाँ सजी रहती हैं ।

2. निर्मला के लिए ऐसा बाजार नया तो न था, पर दिल्ली जैसे बड़े शहर में गाँव का-सा बाजार देखकर उसे अचंभा हुआ ।

   दोनों महिलाएँ खरीदारी के लिए आगे बढ़ीं । आइए देखें, वे क्या-क्या खरीदती हैं और कैसे-कैसे मोल-भाव करती हैं ।

   इला : देखो, दीदी, यह साड़ी कितनी सुंदर है । कोटा-साड़ी जैसी लग रही है । है न ?

   निर्मला : हाँ इला ।

   दुकानदार : बीबी जी ठीक कह रही हैं । यह कोटा की ही साड़ी है ।

   निर्मला : क्यों भई, यह साड़ी कितने की है ?

   दुकानदार : सस्ती है । सिर्फ अठारह सौ रुपये की ।

इला : न बाबा न । यह तो महंगी है । ठीक-ठीक बताओ ।

दुकानदार : मैडम, इस दुकान पर मोल-भाव नहीं होता ।

निर्मला : इला, रहने दो । बाद में देखेंगे ।

इला : ठीक है चलो । . . . . (चलते हुए) हमने तो राजस्थान में कोटा की साड़ी देखी थी, वह इससे बढ़िया और सस्ती थी ।

3. निर्मला : यहाँ तो प्लास्टिक की नई-नई चीजों की भरमार है । इलाहाबाद में तो मैंने इतनी सारी चीजें कभी देखी ही नहीं । देखें, शायद कुछ पसंद आ जाए ।

इला : देख लो । मुझे तो दीदी, ये चीजें अच्छी नहीं लगतीं । एक तो ये हल्की होती हैं और दूसरे जल्दी टूट जाती हैं ।

निर्मला : तो भी कोई हर्ज नहीं। जरा रुको तो सही । (दुकानदार से) इस टी-सैट का दाम क्या है ?

दुकानदार : ढाई सौ रुपये ।

निर्मला : यह तो बड़ा महँगा है ।

इला : तुम्हें पसंद हो तो बात करूँ । कम करवा दूँगी । यहाँ तो मोल-भाव करना ही पड़ता है ।

दुकानदार : माफ कीजिएगा, बहन जी ! यहाँ मोल-भाव नहीं होता ।

निर्मला : अच्छा, दो सौ रुपये लगाओ और दो सैट दे दो ।

दुकानदार : नहीं, बहन जी, दाम कम नहीं होगा । चाहे एक लें या दो ।

इला : चलो दीदी । और भी दुकानें हैं ।

निर्मला : इला बहन, अब तो सब्जियों की दुकानें शुरू हो गईं ।

इला : हाँ सब्जियाँ तो चाहिए ही ।

निर्मला : तो यहाँ मोल-भाव न करूँ ?

4. इला : क्यों नहीं ? बिना मोल-भाव किए कैसे खरीद सकते हैं ?

निर्मला : ठीक है बहन ।

इला : ये बैंगन क्या भाव हैं ? गोल वाले नहीं हैं ?

दुकानदार : हैं क्यों नहीं ? दोनों का एक ही भाव है चालीस रुपये किलो ।

निर्मला : पैंतीस रुपये किलो लगाओ ।

दुकानदार : कितना लेंगी आप, बहन जी ?

निर्मला एक किलो ।

दुकानदार : और आप, बहन जी ?

इला : ये और हम अलग नहीं है । एक किलो ही दो ।

दुकानदार : अच्छा, लीजिए ।

इला : आलू कैसे दिए ?

दुकानदार : बीस रुपये किलो । पहाड़ी आलू है ।

इला : दो किलो दे दो । और टमाटर क्या भाव है ?

दुकानदार : टमाटर तीस रुपये किलो ।

निर्मला : पच्चीस रुपये लगाओ ।

दुकानदार : नहीं बहन जी । आज महँगे आए हैं । अट्ठाईस लगा दूँगा ।

इला : टमाटर भी एक किलो दे दो ।

दुकानदार : ये लीजिए दो किलो आलू, एक किलो टमाटर । एक किलो बैंगन । हरी मिर्च कितनी दूँ ?

इला : दे दो पाँच रुपये की हरी मिर्च, और पाँच रुपये का धनिया । अदरक कैसे है ?

दुकानदार : दस रुपये का सौ ग्राम ।

निर्मला : इतना महँगा ।

इला : चलो, सौ ग्राम अदरक भी दे दो – कुल कितने हुए ।

दुकानदार : एक सौ तेईस रुपये ।

इला : ये लीजिए एक सौ तेईस रुपये । ठीक है ?

दुकानदार : ठीक है, बहन जी ।

निर्मला : इला, और कुछ लेना है क्या ?

इला : नहीं, हम कल करोल बाग चलेंगे । जो लेना होगा वहीं ले लेंगे । अरे हाँ, फल भी तो लेने हैं ।

निर्मला : ठीक है । चलो, आगे ले लेंगे ।

## 3.0 VOCABULARY

3.1 After going through the vocabulary, try to comprehend the meaning of the text.

PARA-1

| | | | |
|---|---|---|---|
| सब्जी (f) | vegetable | हर रविवार को | on every Sunday, a |
| वगैरह (आदि) | etc. | बाज़ार लगता है | (perodical) market is held |
| निकलना | to set out | के दोनों ओर | on both sides |

| | |
|---|---|
| एक छोर से दूसरे छोर तक | from one end to another |
| घर–गृहस्थी की चीजें | house hold goods |
| जरूरत (f) | necessity |
| सिले–सिलाए कपड़े | ready made garments |
| रंग–बिरंगा | colourful |
| सलवार (f) | salvar, trousers mostly worn by women |
| कमीज (f) | shirt |
| टँगा रहना | to be hung |
| खाने–पीने की चीजें | eatables |
| चाट (f) | North Indian savoury/ snack |
| गोल–गप्पा | a variety of North-Indian Snack; a preparation of small swollen puri-like snack made from wheat flour |
| भीड़ (f) | crowd |
| कतार (f) | line |
| आलू | potato |
| प्याज | onion |
| बैंगन | brinjal |
| गोभी (f) | cauliflower |
| टमाटर | tomato |
| हरी मिर्च (f) | green chillies |
| सजा होना | to be decorated, to be arranged |

PARA-2

| | |
|---|---|
| गाँव का–सा | village like |
| अचंभा होना | to be surprised |
| महिला (f) | Lady |
| खरीदारी (f) | shopping, purchase |
| आगे बढ़ना | to move forward |
| मोल–भाव | bargaining |
| दीदी | elder sister, an address of endearment among ladies |
| जैसा | like |
| है न ? | Isn't it ? |
| भई | derived from भाई, used as a form of address in general |
| सस्ता | cheap |
| महँगा | costly |
| रहने दो | leave it |
| बढ़िया | of a fine quality |

PARA-3

| | |
|---|---|
| भरमार | abundance |
| इतना सारा | so much |
| शायद कुछ पसंद आ जाए | perhaps you may like something (to buy) |
| हल्का | light |
| टूट जाना | to get broken |
| कोई हर्ज नहीं | doesn't matter; there is no harm |
| जरा रुको तो सही | just wait a bit |
| ढाई सौ | Two hundred and fifty |
| (दाम) कम करवाना | to get (the price) lowered |
| लगाना | to charge |
| चाहे | whether |
| और भी | many more |

PARA-4

| | | | |
|---|---|---|---|
| बिना मोल भाव किए | without bargaining | धनिया | coriander leaves |
| क्या भाव है ? | what is the rate ? | अदरक | ginger |
| गोल वाला | round-shaped | कैसे दिए हैं ? | how much ? |
| पहाड़ी आलू | a variety of potatoes | कितने हुए ? | total price ? |
| चालीस, पैंतीस | forty, thirty five | और कुछ ? | anything else ? |

3.2 Having gone through the text give it a silent reading once again.

3.3 Expressions

(a) Enquiring about price

| | | |
|---|---|---|
| 1 | (साड़ी) कितने की है ?<br>(कपड़ा) कितने का है ? | How much does it cost ? |
| 2 | (टी सेट का) दाम क्या है ?<br>(इस किताब का) दाम क्या है ? | What is the price ? |
| 3 | (ये बैंगन) क्या भाव है ?<br>(आम) क्या भाव है ? | What is the rate ? |
| 4 | (आलू) कैसे दिए ?<br>(केले) कैसे दिए ? | How much does it cost ? |
| 5 | (अदरक) कैसे है ?<br>(नींबू) कैसे है ? | What is the rate ? |
| 6 | (इस पेन सेट का) क्या लोगे ?<br>(इस तौलिए का) क्या लोगे ? | What will you charge ? |
| 7 | (यह एलबम) कितने में दोगे ?<br>(यह मूर्ति सुंदर है।) कितने में दोगे ? | What will you charge ? |

(b) Miscellaneous expressions in market situation

| | |
|---|---|
| ठीक है । | It's all right. |
| लीजिए । | Please take this. |
| कितने हुए ? | How much it comes to ? |
| हमारे यहाँ एक दाम है । | We have fixed price. |
| ठीक बताओ । | Tell the correct price. |
| रहने दो । | Leave it, let it be. |

3.4 Please note the difference in spelling and meanings between different words in each pair.

| | | |
|---|---|---|
| (i) | सजा (हुआ)<br>सज़ा | decorated<br>punishment |
| (ii) | जरा<br>ज़रा | old age<br>a little |
| (iii) | काफी<br>कॉफी | sufficient, enough<br>coffee |

3.5 Synonyms

कतार – पंक्ति

अचंभा – आश्चर्य

दाम – कीमत

## 4.0 SENTENCE PATTERN & USAGES

4.1 Use of (से ..... तक (from ..... to)

(a) indicating extention/distance of places

बाजार सड़क के दोनों ओर एक छोर से दूसरे छोर तक फैला है ।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक लगभग तीन हजार किलोमीटर की दूरी है ।

(b) indicating span of time

यह दुकान सुबह आठ बजे से रात दस बजे तक खुली रहती है ।

दिल्ली में अक्तूबर से मार्च तक मौसम ठंडा रहता है ।

4.2 Use of लगना in the sense 'to be held'

हर रविवार को यहाँ बाजार लगता है ।

हफ्ते में तीन दिन हिंदी कक्षाएँ लगती हैं ।

4.3 Use of the verb phrase 'Past participles + रहना (खुला + रहना) indicating static condition. This form is obtained by using रहना with the past participle form of the main verb, e.g.

| | |
|---|---|
| खुला + रहता है = खुला रहता है । | remains open |
| बैंक चार बजे तक खुला रहता है । | remains open |
| अलमारी में कपड़े टंगे रहते हैं । | remain hung |
| सेठ जी सुबह से शाम तक लेटे रहते हैं । | remains lying |

See some more examples :-

साइकिल की मरम्मत करने वाला पेड़ के नीचे बैठा रहता है ।

करोल बाग में इतवार को दुकानें खुली रहती हैं ।

4.4 Use of तो न था, पर ..... in the sense of 'was not ..... but/still' .....

In sentences of such a pattern, first clause negates something while the other clause reinforces the fact negated earlier.

निर्मला के लिए ऐसा बाजार नया **तो न था, पर** दिल्ली में गाँव का-सा बाजार देखकर उसे अचंभा हुआ।

वह बड़ा आदमी **तो न था, पर** लोग उसके आगे-पीछे घूमते थे ।

सावित्री बहुत अमीर **तो न थी, पर** अक्सर नए-नए कपड़े पहनती थी ।

Note : पर can be substituted by परंतु, किंतु or लेकिन

4.5 Duplication of interrogative words क्या-क्या, कहाँ-कहाँ etc.

| | |
|---|---|
| देखें, बाजार में वे कैसे-कैसे मोल-भाव करती हैं । | Let us see, in what way do they bargain in the market. |
| वे क्या-क्या खरीदेंगी ? | What diffrent things will they buy ? |
| डॉ. कुमार और ब्रजभूषण जी कहाँ-कहाँ जाएँगे ? | Which places will Dr. Kumar and Mr. Brajbhushan visit ? |
| शादी में कौन-कौन आए थे ? | Who all attended the marriage ? |
| आगरा के लिए गाड़ियाँ कब-कब जाती हैं ? | May I know the timings of train for Agra ? |

## 5.0 SUPPLEMENTARY MATERIAL

List of grocery items :-

| | | | |
|---|---|---|---|
| अजवायन | (an) aromatic seed | दाल | pulse |
| अरहर की दाल | tur dal | धनिया | coriander |
| आटा | flour | नमक | salt |
| इमली | tamarind | बेसन | gram flour |
| इलायची | cardamom | मसाला | spice |
| उड़द | black gram | मिर्च | chilly |
| काली मिर्च | pepper | मुरब्बा | jam |
| गुड़ | jaggery | मूँग | green gram |
| गेहूँ | wheat | मैदा | wheat flour |

| | | | |
|---|---|---|---|
| चना | gram | लौंग | cloves |
| चाय | tea | शहद | honey |
| चावल | rice | सरसों | mustard |
| चीनी | sugar | साबूदाना | sago |
| जीरा | cumin seed | सिरका | vinegar |
| जौ | barley | सूजी | semolina |
| तेल | oil | सोंठ | dry ginger |
| दलिया | broken wheat | सौंफ | aniseed |
| हींग | asafoetida | हल्दी | turmeric |

— * —

# पाठ / LESSON-6

1.0 A PEEP INTO THE TEXT
2.0 CHARACTERS OF THE PLAY
3.0 TEXT बस टिकट (रेडियो नाटक / Radio Play)
4.0 VOCABULARY
5.0 IDIOMS & EXPRESSIONS
6.0 GRAMMAR POINTS : SUBJUNCTIVE MOOD
7.0 QUESTIONS & ANSWERS

## 1.0 A PEEP INTO THE TEXT

The present Lesson contains a radio-play. Buses in Delhi are normally over crowded and people sometimes have to scramble to get into them. In such a journey, a gentleman who could not secure a seat to sit upon doesn't want to pay full fare for his ticket. The merchant who is very much agitated doesn't want to disclose his destination to the conductor to the amusement of the passegers. A youngman who is honest but scorns the whole system for the society refuses to buy a ticket in spite of all persuations and threats. The conductor takes the bus to the police station where the Station House Officer finds that there is much ado about nothing.

## 2.0 CHARACTERS OF THE PLAY

2.1 A brief sketch of each character is given below :–

(a) Lalaji : a grocer, who is accused of being a miser and dishonest person.

(b) Manohar : a youngman who is rebellious critical of grocers and white collared gentry.

(c) Conductor : a bus-conductor who is polite and responsible to his duties.

(d) Babuji : a white-collared gentleman from Bengal accused of idling away his time in the office.

(e) Thanedar : a Station House Officer who knows his responsibilities and is kind hearted.

## 3.0 TEXT बस टिकट (Bus Ticket)

1. (स्टॉप पर आकर बस रुकती है । बस में चढ़ने के लिए भगदड़-सी मच जाती है।)

कंडक्टर : (जोर से) एक-एक करके लाइन में आइए, साहब ।

: (दूसरे लोगों से), जल्दी कीजिए साहब, देर हो रही है ।

(लोग बस में चढ़ते हैं । बस चल पड़ती है ।)

2. कंडक्टर : जिन साहब ने टिकट न लिया हो, आवाज देकर मांग लें । शरमाने की जरूरत नहीं है ।

बाबू जी : एक टिकट नॉर्थ ब्लॉक ।

कंडक्टर : कहाँ से बैठे हैं ?

बाबू जी : अभी हम बैठे ही कहाँ हैं !

कंडक्टर : तो क्या बस स्टाप पर खड़े हैं ?

बाबू जी : नहीं, बस में खड़े हैं, . . . . सरोजनी नगर मार्केट से ।

: (बस में बैठे यात्री कहकहा लगाते हैं ।)

कंडक्टर : निकालिए बीस रुपये । यह लीजिए बस में खड़े होने का टिकट । अगर बैठे तो दस रुपये और देने पड़ेंगे ।

बाबू जी : तो हम एक ही टांग पर खड़े हो जाते हैं । लो पाँच रुपये का टिकट दे दो।

(यात्रियों का कहकहा)

3. लाला जी : भाई, एक टिकट मुझे भी देना ।

कंडक्टर : कहाँ का ?

मनोहर : (धीरे से) ब्लैक मार्केट का ।

लाला जी : (बिगड़कर) क्या कहा ?

मनोहर : (गंभीरता से) आपने मुझसे कुछ पूछा ?

लाला जी : तुमने अभी क्या कहा ?

मनोहर : किससे ?

लाला जी : कंडक्टर से ।

मनोहर : तो फिर कंडक्टर पूछ लेगा, आप क्यों परेशान होते हैं ?

: (यात्रियों की हँसी)

4. कंडक्टर : हाँ, तो लाला जी, जल्दी बताइए कहाँ का टिकट काटूँ ?

लाला जी : बस कहाँ तक जाएगी ?

कंडक्टर : आपको कहाँ जाना है ?

लाला जी : क्यों बताऊँ ?

कंडक्टर : नहीं बताएंगे तो टिकट कैसे दूँगा ?

लाला जी : तुम टिकट दे दो, जहाँ तक बस जाती है । मेरी जहाँ मर्जी होगी उतर जाऊँगा।

मनोहर : उतरते समय सब मुसाफिरों से कह दीजिएगा कि अपनी आँखें बंद कर लें ।

कंडक्टर : लाला जी निकालिए पच्चीस रुपए ।

लाला जी : यह लो ।

कंडक्टर : यह लीजिए टिकट ।

5. कंडक्टर : (अन्य यात्रियों से) आपका टिकट हो गया ? आपका ? और किसी साहब को टिकट लेना है ? (मनोहर से) आपका टिकट हो गया साहब ?

मनोहर : नहीं ।

कंडक्टर : तो साहब, आप बोलते क्यों नहीं ?

मनोहर : जब मुझे टिकट लेना ही नहीं है तो क्यों बोलूँ ?

कंडक्टर : आप बगैर टिकट सफर करना चाहते हैं ?

मनोहर : हाँ ।

कंडक्टर : मालूम है, बगैर टिकट सफर करना जुर्म है ?

मनोहर : मालूम है ।

कंडक्टर : फिर क्या मर्जी है ।

मनोहर : कुछ नहीं, आराम से बैठे हैं ।

कंडक्टर : बगैर टिकट आप बस में नहीं बैठ सकते ।

मनोहर : बैठ सकता हूँ ।

6. लाला जी : जरा देखो तो । चोरी और सीनाजोरी ।

मनोहर : लाला जी, तुम्हारी चोरी मैंने खूब देखी है । तुम्हारे पड़ोस में ही रहता हूँ। मेरे बीच में मत बोलो, नहीं तो सबके सामने तुम्हारी पोल खोल दूँगा ।

लाला जी : अरे, जाओ ! तुम क्या बिगाड़ लोगे मेरा ? शरम नहीं आती तुम्हें बगैर टिकट सफर करने में ? सरकार को धोखा देना चाहते हो ?

मनोहर : धोखा मैं नहीं, तुम देते हो । मसाले में मिलावट, घी में मिलावट करके जनता को ज़हर खिलाते हो और ऊपर से लीडरी झाड़ते हो ।

लाला जी : देखो जी, तुम मुझ पर झूठे आरोप लगा रहे हो । सबके सामने मेरी बेइज्जती कर रहे हो । इसका नतीजा अच्छा नहीं होगा ।

मनोहर : वह तो बाद में देखा जाएगा, लाला जी । तुम्हारे खिलाफ मैंने पक्के सबूत इकट्ठे कर लिए हैं । अब एक दिन पुलिस को लेकर आने वाला हूँ । तैयार रहना ।

लाला जी : हाँ, हाँ, ले आना पुलिस को । देख लूँगा पुलिस को भी और तुम्हें भी ।

7. कंडक्टर : (मनोहर से) मैं आखिरी बार कहता हूँ साहब, आप टिकट ले लीजिए वरना मुझे बस थाने ले जानी पड़ेगी ।

मनोहर : शौक से ले चलो ।

बाबू जी : (मनोहर से) मिस्टर क्यों झगड़ा करते हो ? बस थाने जाएगी तो हमको दफ्तर पहुँचने में देर हो जाएगी ।

मनोहर : देर हो जाएगी तो आपको क्या फर्क पड़ेगा, बाबू जी ? वहाँ कौन-सा काम करते हैं ?

बाबू जी : काम नहीं करता तो क्या करता हूँ ?

मनोहर : सब जानता हूँ । दिनभर चाय पीने और गप्पें हाँकने के अलावा आपको और क्या काम रहता है ?

लाला जी : सबको अपनी ही तरह निठल्ला समझते हो ?

मनोहर : आपको नहीं, लाला जी । आप तो चौबीस घंटे लोगों की जेब काटने में लगे रहते हैं, यह मैं जानता हूँ ।

लाला जी : (बिगड़कर) ऐ, जबान संभालकर बात करो । जेबकतरे होगे तुम ।

मनोहर : काश ! मैं भी यह कला जानता !

8. कंडक्टर : साहब, आप लोग इस झगड़े को बाद में तय कर लेना । पहले टिकट की बात कीजिए । वह देख लीजिए बस में नोटिस लगा है – दिल्ली परिवहन की बसों में बिना टिकट सफर करना जुर्म है ।

मनोहर : (बात काटकर) और टिकट न लेने पर 200 रुपए तक जुर्माना हो सकता है जिसे अदा न करने पर 15 दिन की कैद भी हो सकती है – यह मैं जानता हूँ। तो कंडक्टर महाराज, तुम से जो हो सके कर लो । मैंने एक बार कह दिया कि मुझे टिकट नहीं लेना है । बस, बात खत्म हो गई ।

कंडक्टर : बात खत्म कैसे हो गई ? बात तो अब शुरू होगी । यह लीजिए थाना भी आ गया ।

(कंडक्टर बस रुकवाता है ।)

9. कंडक्टर : उतरिए, साहब ।

मनोहर : बड़े शौक से ।

कंडक्टर : लाला जी, आप भी अगर गवाही के लिए साथ चलें, तो बड़ी मेहरबानी होगी।

लाला जी : जरूर, जरूर । ऐसे लोगों को जरूर सज़ा दिलवानी चाहिए ।

कंडक्टर : बाबू जी, आप भी चलिए ।

बाबू जी : (घबराकर) क्यों ? हमको क्यों पकड़वाते हो ? हमने पूरा टिकट लिया है ।

कंडक्टर : नहीं बाबू जी, आपको क्यों पकड़वाऊँगा ?

बाबू जी : फिर हमको क्यों साथ चलने को कहते हो ?

कंडक्टर : इन साहब के खिलाफ गवाही देने के लिए ।

बाबू जी : नहीं बाबा, हम झगड़े में नहीं पड़ते ।

मनोहर : चलिए भी बाबू जी, तमाशा देखिएगा । साथ ही आज की तारीख में आपको कुछ काम करने को भी मिल जाएगा ।

लाला जी : बाबू जी, आपको जरूर गवाही देनी चाहिए । इन साहब ने आपको भी बुरा–भला कहा था । उसका मजा तो मिलना चाहिए इन्हें ।

बाबू जी : हाँ, हाँ वह तो है । कहता था मैं दफ्तर में कुछ काम नहीं करता । अब हम बताएंगे कि क्या काम करते हैं । चलो ।

(तीनों जाते हैं)

10. कंडक्टर : थानेदार साहब, ये साहब बस में बिना टिकट सफर कर रहे हैं ।

थानेदार : ये तीनों आदमी ?

बाबू जी : (घबराकर) नहीं, नहीं । मैंने तो पूरा टिकट लिया है ।

कंडक्टर : नहीं थानेदार साहब, यह बाबू जी और लाला जी गवाही के लिए हैं । टिकट इन तीसरे साहब ने नहीं लिया ।

थानेदार : (मनोहर से) देखने में तो शरीफ लगते हो ।

मनोहर : खानदानी शरीफ हूँ ।

लाला जी : क्या कहते हैं ? तभी तो टिकट नहीं लिया ।

थानेदार : (मनोहर से) क्यों साहब, आपने टिकट नहीं लिया ?

मनोहर : जी नहीं ।

थानेदार : आप जानते हैं टिकट न लेना जुर्म है ?

मनोहर : खूब अच्छी तरह ।

थानेदार : जेब में पैसे नहीं हैं ?

मनोहर : बटुआ भरा हुआ है ।

थानेदार : देखिए साहब, आप अब भी टिकट ले लें, तो मैं आपको छोड़ सकता हूँ ।

मनोहर : छूट तो मैं बगैर टिकट के भी जाऊँगा ।

थानेदार : कैसे ?

मनोहर : यह देखिए, मेरे पास बस का पास है ।

(थानेदार, कंडक्टर, लाला जी और बाबू जी एक साथ आश्चर्य से कहते हैं – एँ ।)

कंडक्टर : तो आपने पहले क्यों नहीं बताया ?

मनोहर : आपने पूछा ही कब था ? पूछते तो बता देता कि मेरे पास बस का पास है ।

## 4.0 VOCABULARY

PARA - 1

| | |
|---|---|
| भगदड़ (f) | stampede |
| एक–एक करके | one by one |

PARA - 2

| | |
|---|---|
| आवाज देना | to call aloud |
| शरमाना | to feel shy |
| नॉर्थ ब्लॉक | North Block (northern portion of Central Secretariat, Delhi) |
| सरोजिनी नगर | name of a locality in Delhi |
| बाजार (मार्केट) | market |
| कहकहा | loud laughter |
| कहकहा लगाना | to laugh aloud |
| टाँग (f) | leg |

PARA - 3

| | |
|---|---|
| ब्लैक मार्केट (काला बाजार) | black market |
| बिगड़कर (नाराज़ होकर) | being irritated |
| गंभीरता से | seriously |
| परेशान होना | to be disturbed |

PARA - 4

| | |
|---|---|
| मर्जी (f) (इच्छा) | intention, wish, |
| मुसाफिर (यात्री) | passenger |

PARA – 5

| | |
|---|---|
| बगैर (बिना) | without |
| सफर (यात्रा) | journey |
| जुर्म (अपराध) | crime |

PARA - 6

| | |
|---|---|
| चोरी (f) | theft |
| पड़ोस | neighbourhood |
| पोल खोलना | to expose |
| बिगाड़ना | to harm, to spoil |
| शरम आना | to be ashamed of |
| धोखा देना | to cheat |
| मिलावट (f) | adulteration |
| जनता (f) (लोग) | public |
| सीना जोरी | audacity |
| सरकार (f) | government |
| मसाला | spice |
| घी | Ghee, butter oil |
| ज़हर (विष) | poison |
| लीडरी झाड़ना | to behave like a leader, to brow beat |
| बेइज्जती करना | to insult |
| नतीजा (परिणाम) | result |
| झूठा आरोप लगाना | to accuse (one) on false grounds |
| के खिलाफ (के विरुद्ध) | against |
| तैयार | ready |
| पक्का सबूत | solid proof |

PARA - 7

| | |
|---|---|
| आखिरी | last |
| थाना | police station |
| शौक से (खुशी से) | with pleasure |
| फर्क पड़ना | to make a difference |
| गप्पें हाँकना | to gossip |
| निठल्ला | an idler |
| जबान सँभालना | mind one's language |
| के अलावा | apart from, in addition to, besides |
| जेब काटना | to pick a pocket; to cheat |
| जेब कतरा | pickpocket |
| काश ! | Alas ! |

PARA - 8

| | |
|---|---|
| तय करना | to decide |
| परिवहन | transport |
| अदा करना | to make payment (f) |
| जुर्माना | fine, penalty |
| महाराज | sir |
| कैद | imprisonment |

PARA - 9

| | |
|---|---|
| गवाही (f) | witness |
| नहीं, बाबा | a colloquial style of saying "no sir" / "no, gentleman" |
| पकड़वाना | to get arrested |
| सज़ा (f) | punishment |
| तमाशा | fun |
| मेहरबानी (f) (दया) | kindness |
| बुरा–भला कहना | to abuse |

PARA - 10

| | |
|---|---|
| थानेदार | SHO (Staion House Officer) |
| शरीफ लगना | to look like a gentleman |
| खानदानी शरीफ | a gentleman by birth |
| बटुआ | purse |

## 5.0 IDIOMS & EXPRESSIONS

5.1 Some of the idioms and expressions occurring in this lesson are given below with their English renderings to make you understand the text better.

| | |
|---|---|
| बस में चढ़ने के लिए भगदड़–सी मच जाती है। | People stampede to get into the bus. |
| (वे) आवाज देकर माँग लें । | They should call for it. |
| शरमाने की जरूरत नहीं । | There is no need to feel shy. |
| आप क्यों परेशान होते हैं ? | Why do you worry ? |
| मेरी जहाँ मर्जी होगी उतर जाऊँगा । | I would get down wherever I like. |
| फिर क्या मर्जी है ? | Then, what's your intention ? |
| चोरी और सीनाजोरी । | To commit an offence and yet be audacious. |
| मेरे बीच में मत बोलो । | Don't meddle in my affairs. |
| तुम्हारे खिलाफ मैंने पक्के सबूत इकट्ठा कर लिए हैं । | I have gathered solid proofs against you. |
| सबके सामने पोल खोल दूँगा । | I'll expose you publicly. |
| तुम क्या बिगाड़ लोगे मेरा ? | In what way can you harm me ? |
| और ऊपर से लीडरी झाड़ते हो । | And to top of it all you brow beat like a leader. |
| तुम मुझ पर झूठा आरोप लगा रहे हो । | You are leveling a false charge against me. |
| सबके सामने मेरी बेइज्जती कर रहे हो । | You are insulting me publicly. |
| इसका नतीजा अच्छा नहीं होगा । | The consequences will not be good. |
| देख लूँगा तुम्हें भी और पुलिस को भी । | I'll see you and the police. |

| | |
|---|---|
| आपको क्या फर्क पड़ेगा ? | What difference will it make to you ? |
| वहाँ कौन–सा आप काम करते हैं । | You don't work there either. |
| वहाँ गप्पें हाँकने के अलावा आपको और क्या काम रहता है ? | What do you do there except gossiping ? |
| आप तो चौबीसों घंटे लोगों की जेब काटने में लगे रहते हैं । | Round the clock you are busy in cheating others. |
| जबान संभालकर बात करो । | Mind your language / Hold your tongue. |
| बात खत्म हो गई । | There the matter ends. |
| बड़े शौक से । | with great pleasure. |
| बड़ी मेहरबानी होगी । | It would be so kind of you. |
| हम (मैं) झगड़े में नहीं (पड़ता / पड़ते) । | I don't want to get involved in the dispute. |
| इन साहब ने आपको भी तो बुरा–भला कहा था। | He had abused you too. |
| उसका मजा तो मिलना ही चाहिए इन्हें ।<br>देखने में शरीफ लगते हो । | Let him relish the consequences of this.<br>You look to be a thorough gentleman. |

## 6.0 GRAMMAR POINTS : SUBJUNCTIVE MOOD

(a) Subjunctive forms of verbs are used to denote probability, command, request, wish, permission, condition, purpose etc.

Subjunctive forms are obtained by dropping out the final - गा – गे – गी from the Future Tense forms e.g.

| | |
|---|---|
| शेखर कल आएगा । | Shekhar will come tomorrow. |
| शायद शेखर कल आए । | Shekhar may come tomorrow. |
| शीला मुंबई नहीं जाएगी । | Sheela will not go to mumbai |
| हो सकता है, शीला भी जाए । | May be, Sheela also goes. |

(b) The verbal agreement is shown below. Please note that the verb agrees with the subject in person and number.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| I Person | मैं m/f | आऊँ/बैठूँ | हम | आएँ/बैठें |
| II Person | तुम m/f | आओ/बैठो | आप | " |
| III Person | वह/राम (m) | आए/बैठे | वे (लड़के) (m) | " |
| | वह/लीला (f) | '' | वे (लड़कियाँ) (f) | " |

Subjunctive forms of the verb

| | | |
|---|---|---|
| मैं शायद बीमार होऊँ | हम | |
| तुम शायद कल तक ठीक हो | आप | शायद बीमार हों । |
| वह शायद छुट्टी पर हो | वे | |

(c) Subjunctive Mood — Functional usages

The subjunctive is used normally to denote the following moods.

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | a doubt or supposition | (iv) | seeking/granting permission |
| (ii) | a wish | (v) | a purpose |
| (iii) | a polite order/request | (vi) | a condition |

| | | |
|---|---|---|
| (i) | DOUBT/SUPPOSITION | |
| (a) | शायद चेकिंग इंस्पेक्टर टिकट माँगे । | The checking inspector may ask for the ticket. |
| (b) | हो सकता है गाड़ी ठीक समय पर आ गई हो। | It is possible that the train has arrived in time. |
| (c) | संभव है, आज बारिश हो । | It may rain today. |
| (ii) | WISH | |
| (a) | नया साल आपके लिए खुशियाँ लाए । | May the new year bring happiness to you |
| (b) | आपकी यात्रा आनंदमय हो । | May you have a pleasant journey. |
| (c) | भगवान करे आप जल्दी ठीक हो जाएँ । | May God grant you a speedy recovery. |
| (iii) | POLITE ORDER/ REQUEST | |
| (a) | आप कृपया दो शब्द बोलें । | Kindly say a few words. |
| (b) | बिना अनुमति के कोई अंदर न आए । | No one should enter without permission. |
| (c) | मरीज से कोई बात न करे । | No one should talk to the patient. |
| (iv) | SEEKING/ GRANTING PERMISSION | |
| (a) | काम पूरा हो गया है । क्या हम घर जाएँ ? | The work has been completed. May we go home ? |
| (b) | क्या मैं भी आपके साथ चलूँ ? | May I accompany you ? |
| (c) | आज शेखर जल्दी घर चला जाए । | Let Shekhar go home early today. |

| | | |
|---|---|---|
| (v) | PURPOSE | |
| (a) | टैक्सी में जाओ ताकि समय पर स्टेशन पहुँच सको । | Go by a taxi so that you may reach the station in time. |
| (b) | मैंने बेटे को आपके पास भेजा है ताकि वह कुछ काम सीखे । | I have sent my son to you so that he learn some trade. |
| (c) | आगे आइए, जिससे आप अच्छी तरह देख सकें। | Please come forward so that you may have a better view. |
| (vi) | CONDITION | |
| (a) | अगर आप बुरा न मानें तो मैं एक बात कहूँ ? | If you don't mind, could I tell you some thing ? |
| (b) | अगर ड्राइवर शाम तक न आए तो मुझे फोन कर दें । | Please ring me up if the driver does not turn up by evening. |
| (c) | अगर वे कोई बात पूछें तो क्या कहूँ ? | If they make some enquiry what should I say ? |

Please note that :-

(a) While expressing doubt/supposition, शायद or हो सकता है or संभव है (perhaps) may be added in the beginning of the sentence.

| | |
|---|---|
| शायद / हो सकता है / संभव है | आज बारिश हो । |
| | बाबू आज भी देर से आए । |
| | वह रास्ता भूल गया हो । |

(b) To express condition अगर or यदि (if) is added in the beginning of the conditional clause and the particle तो (then) is added before the main clause.

| | | | |
|---|---|---|---|
| अगर / यदि | आप चाहें<br>कोई जरूरी बात हो | तो | (आप) जा सकते हैं ।<br>वे मुझे फोन करें । |

(c) While denoting purpose ताकि or जिससे (so that) is added in between the two clauses.

| | | |
|---|---|---|
| शीला कमरे से बाहर निकले | ताकि / जिससे | नौकर कमरा साफ कर ले ।<br>मैं कमरा बंद करूँ । |

## 7.0 QUESTIONS & ANSWERS

प्रश्न 1. बाबू जी कहाँ जाना चाहते थे ? वे पाँच रुपये का टिकट क्यों माँग रहे थे ?

उत्तर बाबू जी नॉर्थ ब्लाक जाना चाहते थे । उन्होंने कहा कि मैं एक टाँग पर खड़ा हो जाता हूँ । इसलिए पाँच रुपये का टिकट दीजिए ।

प्रश्न 2. लाला जी को कंडक्टर ने कितने रुपये का टिकट दिया ? क्यों ?

उत्तर कंडक्टर ने लाला जी को पच्चीस रुपये का टिकट दिया क्योंकि उन्होंने आखिरी स्टॉप तक का टिकट माँगा था ।

प्रश्न 3. मनोहर लाला जी की क्या पोल खोलना चाहता था ?

उत्तर मनोहर को पता था कि लाला जी घी, मसाले आदि में मिलावट करके बेचने का धंधा करते थे । मनोहर इसी बात की पोल खोलना चाहता था ।

प्रश्न 4. मनोहर ने बाबू जी पर क्या आरोप लगाया ?

उत्तर मनोहर ने बाबू जी पर यह आरोप लगाया कि वे दफ्तर में कोई काम नहीं करते । वे दिन भर चाय पीते हैं और गप्पें हाँकते हैं ।

प्रश्न 5. मनोहर ने टिकट क्यों नहीं खरीदा था ?

उत्तर मनोहर के पास बस का पास था । इसलिए उसने टिकट नहीं लिया था ।

— * —

# पाठ / LESSON-7

1.0 ABOUT THE LESSON

2.0 A PEEP INTO THE TEXT

3.0 TEXT मैं कमीज़ हूँ (आत्मकथा/Autobiography)

4.0 VOCABULARY

5.0 GRAMMATICAL NOTES

## 1.0 ABOUT THE LESSON

The objective of this lesson is to get you acquainted with the prose style used in autobiography. मैं कमीज़ हूँ the autobiography of a shirt, tells you how man invented cloth and dress making. This will also make you familiar with some of the functionally relevant words belonging to weaving, tailoring and dress-making.

## 2.0 A PEEP INTO THE TEXT

2.1 Brijbhushan, after returning home from his court duties, relaxes and soon dreams that his new shirt is narrating a story of its birth. The shirt narrates that man used the bark of trees and the skin-hides of animals as his dress in early days of civilization. By some coincidence, he found cotton and used it in making dress for himself. In the beginning, man learnt the art of spinning and weaving and used woven cloth as his dress. Later on, he learnt the art of tailoring and after many innovations and experiments he developed various sorts of dresses. the shirt tells it came out from a cotton mill of Ahmedabad to Delhi from where it was taken to a tailor who gave it the present shape.

At this point, Nirmala, his wife, comes and awakes Brijbhushan by offering a cup of hot tea. But the words still rang in his ears - 'A man is known by the clothes he wears'.

## 3.0 TEXT मैं कमीज़ हूँ (I am a shirt)

Read the text aloud.

1. ब्रजभूषण आज कचहरी से थके-माँदे लौटे थे । उन्होंने अपने कपड़े बदले, अपनी नई कमीज़ वार्डरोब में टाँगी, और फिर आराम कुर्सी पर बैठ गए । बैठते ही उनकी आँख लग गई ।

2. धीरे-धीरे उन्हें वार्डरोब से कुछ आवाजें सुनाई देने लगीं । उनकी नई कमीज़ कह रही थी, ''नहीं, यह तो मैं नहीं बता सकती कि मेरे पूर्वज कब और कहाँ पैदा हुए थे ? लेकिन इतना जरूर जानती

हूँ कि मेरे पूर्वज पेड़ों की छाल और जानवरों की खाल रहे होंगे। इन्होंने ही आदमी को सभ्यता का पाठ पढ़ाया होगा।''

3. लेकिन छाल और खाल आदमी को सर्दी-गर्मी से बचाने में ज्यादा मदद न कर सकी । आदमी को तो एक ऐसी चीज की तलाश थी जो उसे सर्दी-गर्मी से भी बचाए और साथ ही उसको सुंदर भी बनाए । संयोग से कपास और सेमल के फलों से निकलने वाली रुई उसके हाथ लगी । रुई ने उसकी कल्पना को जगाया । मकड़ी के जाल और बया जैसे पक्षियों के घोंसले देखकर उसे लगा कि अब वह भी रुई से बहुत कुछ कर सकता है।

4. आदमी ने पहले रुई की पूनी बनाई, जिससे वह धीरे-धीरे सूत बनाना जान गया । सूत कातने के लिए उसने तकली और चरखे का उपयोग किया । सूत से कपड़ा बुनने के लिए उसने करघों का आविष्कार किया । जुलाहे सूत की लच्छी से करघे पर कपड़ा बुनने लगे । कपड़ों में तरह-तरह के डिजाइन भी डाले जाने लगे । सच पूछिए तो हथकरघे में बने हुए कपड़े मेरे परिवार के पहले सदस्य रहे होंगे । धीरे-धीरे सूती के अलावा ऊनी और रेशमी कपड़े भी बुने जाने लगे । फैशन और जरूरत के मुताबिक मैं अपने आप को बदलती रही । दर्जी मुझे काटकर और तरह-तरह से सिलकर अपनी कला का प्रदर्शन करता रहा । इंचीटेप, कैंची, सुई-धागा, सिलाई की मशीन दर्जी के खास सहायक बने जिनसे वह मुझे मनपसंद शक्ल देता रहा है । मैं अपने को और अपने भाई-बहनों को नई-नई शक्लों में देखकर खुशी से फूला नहीं समाती ।

5. 'हाँ' तो तुम पूछ रहे थे कि मैं खुद यहाँ कैसे आई ? अहमदाबाद की एक बड़ी सूती मिल में कपड़े के रूप में मेरा जन्म हुआ । मैं अपने परिवार के साथ वहाँ से दिल्ली आई । दिल्ली के एक व्यापारी ने मुझे अपनी वातानुकूलित दुकान में रखा । पर वहाँ मैं ज्यादा दिन न रह सकी । एक साहब मुझे अपने परिवार से अलग करके वहाँ से ले गए । बाद में मुझे पता चला कि वे इलाहाबाद के मशहूर वकील ब्रजभूषण हैं । उन्होंने मुझे एक दर्जी को दे दिया । दर्जी के यहाँ मेरे आसपास, मेरे बहुत से साथी टँगे हुए थे । मैंने देखा किसी का कॉलर खरगोश के कान की तरह लंबा था तो किसी का चूहे के कान की तरह छोटा था और किसी का कॉलर ही नहीं था ।

6. तुम देख रहे हो कि प्राचीन काल की सभ्यता से लेकर आज की मशीनी और कंप्यूटरी सभ्यता तक मेरी यात्रा कितनी रोमांचकारी रही । सच तो यह है कि मेरे पूर्वजों का इतिहास ही सभ्यता का इतिहास है । मैं अपने आप को यह कहने से भी नहीं रोक पा रही हूँ कि आदमी की तमीज़ उसकी कमीज़ है ।

7. एकाएक निर्मला की आवाज वकील साहब के कानों में पड़ी । वकील साहब हड़बड़ाकर उठे । सामने कमीज़ नहीं, उनकी पत्नी थी ।

## 4.0 VOCABULARY

PARA - I

| | |
|---|---|
| आत्मकथा | autobiography |
| कचहरी (f) | Court |
| थके–माँदे | tired |
| कपड़े बदलना | to change the dress |
| टाँगना | to hang |
| आराम कुर्सी (f) | easy chair |
| आँख लगना | fell asleep |

PARA 2

| | |
|---|---|
| सर्दी–गर्मी (f) | (1) winter and summer<br>(2) cold and heat |
| बचाना | to protect |
| मदद करना | to help |
| तलाश (f) | search |
| सुंदर | beautiful |
| आवाज | sound, voice |
| सुनाई देना | to be beard |
| पूर्वज | ancestor |
| पैदा होना | to be born |
| छाल (f) | bark |
| खाल (f) | skin |
| सभ्यता (f) | civilization |
| पाठ पढ़ाना | to teach a lesson |

PARA - 3

| | |
|---|---|
| संयोग से | by coincidence/by chance |
| कपास | cotton plant |
| सेमल | (silk) cotton tree |
| रुई (f) | cotton |
| हाथ लगना | to fall into one's hand<br>get by chance |
| कल्पना (f) | imagination |
| जगाना | to arouse (feeling) |
| मकड़ी (f) | spider |
| मकड़ी का जाल | spider's web |
| बया (f) | weaver bird |
| घोंसला | nest |
| उसे लगा | it occurred to him |

PARA - 4

| | |
|---|---|
| पूनी (f) | cotton-roll |
| सूत | yarn, thread |
| कातना | to spin |
| तकली (f) | spindle |
| चरखा | spinning wheel |
| (का) उपयोग करना | to make use of |
| बुनना | to weave |
| करघा | loom |
| आविष्कार करना | to invent |
| जुलाहा | weaver |
| सूत की लच्छी (f) | skein of yarn |
| डिजाइन डालना | to insert designs |
| सच पूछिए तो | as a matter of fact, to tell (you) the truth |
| हथकरघा | handloom |
| सदस्य | member |
| सूती | cotton |
| ऊनी | woolen |

| | |
|---|---|
| रेशमी | silken |
| बुने जाने लगे | began to be woven |
| जरूरत | need |
| के मुताबिक | according to, के अनुसार |
| अपने आपको बदलना | to change onself |
| दर्जी | tailor |
| सिलकर | be sewing/stitching |
| कला (f) | art |
| प्रदर्शन करना | to display |
| कैंची (f) | a pair of scissors |
| सुई (f) | needle |
| धागा | thread |

PARA - 5

| | |
|---|---|
| खुद | oneself |
| सूती मिल | cotton mill |
| का जन्म होना | to be born |
| वातानुकूलित | air-conditioned |
| ले जाना | carry away |
| पता चलना | to come to know |
| दर्जी के यहाँ | at tailor's (place) |
| खरगोश के कान | rabbit's ears |
| चूहा | mouse |

PARA - 6

| | |
|---|---|
| प्राचीन काल | ancient age |
| रोमांचकारी | thrilling |
| इतिहास | history |
| मैं अपने आपको यह कहने से भी नहीं रोक पा रही हूँ | I can't help saying, |
| तमीज (f) | etiquette, manners |
| आदमी की तमीज़ उसकी कमीज़ है | A man is known by his clothes (God makes a man, clothes make him a gentleman) |

PARA - 7

| | |
|---|---|
| आवाज कान में पड़ना | to hear a voice |
| हड़बड़ाना | to be startled |

4.1 Having gone through the text, give it a silent reading once again.

4.2 Word formation

(a) Derivation of Adjectives from nouns by adding the suffix –ई

| | **Noun** | | **Suffix** | | **Adj.** | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| machine | मशीन | + | ई | = | मशीनी | pertaining to machine |
| wool | ऊन | + | ई | = | ऊनी | woolen |
| cotton | सूत | + | ई | = | सूती | made of cotton |
| silk | रेशम | + | ई | = | रेशमी | silken |

(b) Derivation of Abstract nouns from Adjectives by adding the suffix-**ता**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| civilized | सभ्य | + | ता | = | सभ्यता | civilization |
| beautiful | सुंदर | + | ता | = | सुंदरता | beauty |
| qualified | योग्य | + | ता | = | योग्यता | qualification |
| humble | नम्र | + | ता | = | नम्रता | humility |

(c) Addition of the suffix –क denotes doer of an action

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| writing | लेख | + | क | = | लेखक | writer |
| text | पाठ | + | क | = | पाठक | reader |
| reform | सुधार | + | क | = | सुधारक | reformer |

(d) Some words of co-occurring nature conveying single meaning

| Verbs | Nouns | Adjectives |
|---|---|---|
| खाना–पीना | लड़ाई–झगड़ा | थका–माँदा |
| रोना–धोना | खेल–कूद | बुरा–भला |
| गाना–बजाना | हँसी–मजाक | टूटा–फूटा |

## 5.0 GRAMMATICAL NOTES

5.1 Verb Pattern –(का) जन्म होना 'to be born'

(a) (i) Note the pattern of verb . –(का) जन्म होना in the following sentences :–

मेरा जन्म अहमदाबाद में हुआ ।

गांधी जी का जन्म पोरबंदर में हुआ था ।

मेरी बेटी का जन्म जाड़े में हुआ था ।

कमीज़ का जन्म कब हुआ ?

(ii) You will note that the verb होना agrees with the noun जन्म which is masculine singular.

(b) Verb पैदा होना is often used in place of जन्म होना

गांधी जी पोरबंदर में पैदा हुए थे ।

मैं अहमदाबाद में पैदा हुआ ।

मेरी बेटी जाड़े में पैदा हुई थी ।

You will note that the verb होना alone agree with the subject in gender and number. The word पैदा remains unchanged.

बंगाल में चावल बहुत पैदा होता है ?

हिमाचल प्रदेश में सेब बहुत ज्यादा पैदा होता है ।

इस जमीन पर कुछ पैदा नहीं होता । (nothing grows in this land)

5.2 Use of ते ही to denote an immediate action.

(i) Go through the following sentences.

| | |
|---|---|
| बैठते ही ब्रजभूषण ने आँखें मूँद लीं । | as soon as he sat |
| खबर मिलते ही हम आ गए । | immediately on getting the news |
| गाड़ी आते ही प्लेटफार्म पर लोग इधर–उधर भागने लगे । | as soon as the train arrived |

(ii) Similar concept can be expressed by using the word जैसे ही in the beginning of the sentence e.g.

| | |
|---|---|
| जैसे ही ब्रजभूषण बैठे, उनकी आँख लग गई । | as soon as |
| जैसे ही हमें खबर मिली, हम आ गए । | |
| जैसे ही गाड़ी आई, लोग प्लेटफार्म पर इधर–उधर भागने लगे । | |

5.3 Use of the verb सुनाई देना

(a) The verb सुनाई देना is used in the sense of 'to be heard'

| | |
|---|---|
| कुछ आवाजें सुनाई दीं । | Some sounds were heard. |
| शोर के कारण कुछ सुनाई नहीं देता । | Nothing is heard because of noise |
| क्या आपको मेरी आवाज सुनाई देती है ? | Can you hear me ? |

(b) Similarly, दिखाई देना is used in the sense of 'to be seen'/'to happen to see'

| | |
|---|---|
| धुंध में कम दिखाई देता है । | Due to fog one can not see clearly |
| शुक्र का तारा सुबह दिखाई देता है । | The venus is seen in the dawn. |
| रास्ते में मोहन को एक साँप दिखाई दिया । | Mohan happened to see a snake on the way. |

5.4 Idioms & Expressions

Given below are idioms and expressions occurring in the lesson, with their equivalents in Hindi and English, and their usages. You are advised to construct a few sentences of your own.

1. फूला न समाना

Note the use of the idiom खुशी से फूला न समाना (to be overjoyed) in the following sentences :–

मैं अपने साथियों को नई शक्ल में देखकर खुशी से फूला न समाया ।[1]

कोलम्बस अपनी खोज के कारण खुशी से फूला न समाया ।[2]

वह अपने सुंदर रूप को देखकर खुशी से फूली न समाई ।[3]

2. हाथ लगना to happen to get

कपास और सेमल की रुई आदमी के हाथ लगी ।

सुबह से शाम तक तुम घूमते रहे, परंतु कुछ भी हाथ न लगा ।

3. आँख लगना fell asleep

जब वकील साहब की आँख लगी तो उन्होंने एक सपना देखा ।

थकान के कारण लेटते ही उसकी आँख लग गई ।

— * —

1 I was overjoyed to see my companions in the new form.
2 Columbus's joy knew no bounds on his discovery.
3 She was overjoyed to see herself in a beautiful shape.

# पाठ / LESSON-8

1.0 ABOUT THE LESSON

2.0 पत्र लेखन LETTER WRITING

**CHANNEL-I**

2.1 FEATURES OF PERSONAL LETTER

3.0 MODEL LETTERS-I

**CHANNEL-II**

4.0 NON PERSONAL LETTERS

5.0 MODEL LETTERS-II

(1) Letters to Government Departments

(2) Letter of Complaints

**CHANNEL-III**

6.0 MODEL LETTERS-III

Invitation Cards

7.0 SENTENCE PATTERNS/ USAGES

8.0 GRAMMATICAL NOTES

9.0 SUPPLEMENTARY MATERIAL: STOCK EXPRESSIONS

## 1.0 ABOUT THE LESSON

The object of this lesson is to familiarize you with the art of letter writing. For this purpose, letters are grouped into three sets — (i) Personal (ii) Non-Personal and (iii) Invitations.

Under the heading Non-Personal letters, letters addressed to Govt. Office and an order for purchase of books have been dealt with. A few models of invitations have also introduced in this lesson.

## 2.0 पत्र लेखन (LETTER WRITING)

**CHANNEL-I**

2.1 FEATURES OF PERSONAL LETTERS

(a) A personal letter mainly consists of the following points :–

(1) The name and address of the sender

(2) The date of communication

(3) Terms of polite address to the recipient and greetings or salutation or good wishes for him.

(4) Main body of the letter

(i) introduction

(ii) contents

(iii) conclusion

(5) The subscription (e.g. yours affectionately, yours obediently etc.)

(6) Signature

(7) Address of the recipient

(b) Personal letters are generally written in an informal style. The language may even show personal or emotional tone given by the writer.

(c) A few conventional forms of the styles to address the recipients, salutations and subscriptions to be used are illustrated below.

| Status of the persons to whom addressed (either in age or position) | Form of address | Salutation/ greetings | Subscription |
|---|---|---|---|
| Elders (Father, Mother, Uncle, Aunt, Teacher etc.) | आदरणीय (m)[1]<br>पूजनीय (m)<br>पूज्य (m/f)<br>आदरणीया (f)<br>पूजनीया (f) | प्रणाम<br>सादर प्रणाम<br>चरण स्पर्श[2]<br>सादर चरण स्पर्श | आपका / आपकी[3]<br>स्नेह–भाजन[4] |
| Equals younger brother / sister & friends etc. | प्रिय[5]<br>प्रियवर[6] | नमस्ते /<br>सप्रेम[7] नमस्ते | स्नेही[8] |
| Younger (Son, nephew, daughter, niece, student etc.) | आयुष्मान (m)<br>आयुष्मती (f)<br>प्रिय<br>चिरंजीवी (m)[9] | प्रसन्न रहो /<br>आशीर्वाद | शुभचिंतक[10] /<br>शुभेच्छु |

## 3.0 MODEL LETTERS / पत्रों के नमूने-I

i) व्यक्तिगत पत्र

(क) **पिता को पत्र**

बी–114, सफदरजंग एनक्लेव
नई दिल्ली

दिनांक 11.11.2018

1. respected; 2. form of paying respect by touching the feet of elders; 3. Yours; 4. (yours) object of love; 5. dear; 6. dearest; 7. with love; 8. (yours) loving; 9. May you live long; 10. well wishes.

पूज्य[1] बाबू जी,

सादर चरण स्पर्श[2] !

मैं यहाँ कुशल से[3] हूँ । आशा है आप सब भी सकुशल होंगे । यहाँ प्रोजेक्ट तैयार करने में व्यस्त[4] था इसलिए पत्र लिखने में देर हो गई । आपसे ढेर सारी बातें करनी थीं । इसलिए व्हाट्स ऐप पर संदेश नहीं भेज रहा हूँ । स्काइप के लिए तो आपको पता ही है कि बीच-बीच में नेट की सेवा बाधित[5] होते रहने के कारण ठीक से बात नहीं हो पाती सो ले-देकर पत्र का माध्यम ही बचा जिसमें तसल्ली[6] से और आत्मीयतापूर्वक[7] मन की बातें रखी जा सकती हैं । पिता जी एक तो मेरा प्रोजेक्ट पूरा हो गया है । उसमें बहुत मेहनत करनी पड़ी । दूसरे, यहाँ प्लेसमेंट के लिए कंपनियों का आना शुरू हो गया है । इस सिलसिले में कुछ ड्यूटीज़ मुझे भी मिली हैं । पाठ्यक्रम पूरा होने पर हम सभी साथी[8] अब अलग-अलग स्थानों पर चले जाएंगे । पता नहीं किसे कहाँ जॉब मिलेगी ? खैर ....

माँ और दीदी कैसी हैं ? दीदी की जॉब ठीक ही चल रही होगी । दीदी के विवाह की बात कहाँ तक पहुँची ?

माँ और दीदी को चरणस्पर्श ।

आपका स्नेह भाजन
अजय

(ख) **माँ को पत्र**

मकान नं. 94
जे पॉकेट, दिलशाद गार्डन
दिल्ली

28.12.2018

आदरणीय माँ,

चरण स्पर्श ।

यहाँ मैं ठीक हूँ । आशा है, वहाँ घर पर भी सब सकुशल होंगे । मेरी संगीत की कक्षाएँ नियमपूर्वक[9] चल रही हैं । संगीत सिखाने वाली अध्यापिका का व्यवहार बहुत अच्छा है । ये परिवार की सदस्य की तरह विद्यार्थियों से स्नेह रखती हैं । मैं शास्त्रीय गायन[10] के साथ-साथ सितार बजाना भी सीख रही हूँ । आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि मैं यहाँ पर दो-तीन छोटे बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाती हूँ । बच्चों को पढ़ाने में मुझे बड़ा मजा आ रहा है ।

यहाँ आस-पड़ोस[11] के लोग भी बहत अच्छे हैं, आप सब मेरी चिंता बिल्कुल मत कीजिए । आपका और पिता जी का स्वास्थ्य कैसा है ? आशा है वे नियमित योगाभ्यास कर रहे होंगे ? भैया यहाँ आने के लिए कह रहे थे । वे कब आएंगे ?

पिता जी और भैया को चरणस्पर्श ।

आपकी आज्ञाकारी[12] बेटी
लक्ष्मी

---

1. respected; 2. salutations (by touching the feet of elders); 3. well; 4. busy; 5. interrupted; 6. comfortable; 7. with intimacy; 8. friends; 9. regular; 10. classical singing; 11. neighbourhood; 12. obedient

## 4.0 NON-PERSONAL LETTERS

4.1 Features of non-personal letters

While going through the non-personal letters, the following six points should be noted carefully :–

(1) The address of the sender

(2) Date of Communication

(3) Name and/or designation along with address of the person to whom the letter is written

(4) Form of address

(5) Main body of the letter

(6) Subscription and the signature of the sender

4.2 These letters have a set language and compact form. They make liberal use of passive sentences and constructions and rarely have personal or emotional touch. The language is business like, impersonal and consists of several stock expressions.

4.3 Some important stock expressions are listed in section 9.0. The English equivalents of new words and expressions are given as foot-notes for immediate reference and comprehension.

## 5.0 MODEL LETTERS / पत्रों के नमूने-II

5.1 Here is a set of non-personal letters to serve as specimens. In order to encourage you to write to this Department in Hindi, a few examples are given in the first instance, followed by commercial letter.

(i) Letters to Government Departments

(क) Letter to the Assistant Director of correspondence courses regarding change of address.

| | |
|---|---|
| (Address of the sender) | जयचंद्रन<br>91/2, जया नगर,<br>गुवाहाटी– 781022, (असम) |
| (Dated) | 28.1.2019 |

| | |
|---|---|
| (To) | सेवा में[1] |
| (Name or designation & the address) | सहायक निदेशक[2],<br>पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग,<br>केंद्रीय हिंदी निदेशालय,<br>पश्चिमी खंड[3]–7, रामकृष्ण पुरम,<br>नई दिल्ली–110066 |
| (Form of address) | महोदय[4] |
| (Body of the letter) | निवेदन है कि मैं हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम का छात्र हूँ और मेरा रोल नंबर ..... है । हाल ही में मेरा तबादला कोच्चि से गुवाहाटी हो गया है । मैंने आज ही कार्यभार संभाला है । मेरा नया पता ऊपर दिया हुआ है । कृपया आगे से पत्र व्यवहार मेरे नए पते पर ही करें । |
| | धन्यवाद । |
| (subscription & signature) | भवदीय<br>के. जी. जयचंद्रन<br>रोल नं. ..... |

(ख) Letter to the Deputy Director, Department of correspondence courses in response to his reminder for clearing the response sheet arrears.

26/6, वेस्ट हिल
कोषि़क्कोड

सेवा में

उपनिदेशक[5]

पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग,

पश्चिमी खंड–7, रामकृष्ण पुरम

नई दिल्ली– 110066

महोदय,

मैं यह पत्र आपके दिनांक 01.09.2018 के पत्र संख्या एम. ए. बी. 300/12 प.पा. के संदर्भ[6] में लिख रहा हूँ । आपने लिखा है कि मेरे उत्तर पत्र संख्या 1, 2, 3, और 4 आपको नहीं मिले हैं । इस विषय में मुझे यह सूचित करना है कि –

1. To; 2. Assistant Director; 3. West Block; 4. Sir; 5. Deputy Director; 6. With reference to

1. उत्तर पत्र–1 और 2 मूल्यांकन के बाद मुझे वापस मिल गए हैं । उन्हें आपने 30.07.2018 को लौटाया था । उत्तर पत्र संख्या–1 में मुझे 14/20 और संख्या–2 में 15/20 अंक मिले हैं ।

2. तीसरे एवं चौथे उत्तर पत्र मैंने दिनांक 16.08.2018 को भेजे थे । मुझे आश्चर्य है कि ये उत्तर पत्र आपको अभी तक क्यों नहीं मिले । कृपया, एक बार फिर अपना रिकार्ड देखने का कष्ट करें । यदि ये आपको न मिले हों तो यथा शीघ्र दूसरे उत्तर पत्र भिजवाएँ । मैं उन्हें फिर से भरकर भेज दूँगा ।

धन्यवाद सहित ।

भवदीय,

रमेश कुमार

रोल नं. .....

(ग) Reply to the above letter - ऊपर के पत्र का उत्तर

भारत सरकार
पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग,
केंद्रीय हिंदी निदेशालय,
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय)[1]

पश्चिमी खंड–7, रामकृष्ण पुरम
नई दिल्ली– 110066
दिनांक : 25.11.2018

प्रिय छात्र,

आपका दिनांक 10.09.2018 का पत्र मिला, धन्यवाद ।

आपके उत्तर पत्र संख्या 1 और 2 में प्राप्त अंक[2] क्रमशः[3] 14/20 और 15/20 अब हमने रिकार्ड में दर्ज कर लिए हैं [4]।

आपके उत्तर पत्र संख्या 3 और 4 अभी तक हमें नहीं मिले हैं । उनकी प्रतियाँ [5] संलग्न[6] हैं । इन्हें कृपया जल्दी से जल्दी पूरा करके भिजवा दें ।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय
(क ख ग)
उपनिदेशक

1. Ministry of Human Resource Development; 2. marks; 3. respectively; 4. entered; 5. copies; 6. enclosed;

(घ) Letter to the book-seller placing order for certain books by V.P.P.

वी. पी. पी. द्वारा कुछ पुस्तकें मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र ।

सेक्टर 8 सी/107,
चंडीगढ़ – 160008
दिनांक 25.12.2018

सेवा में

बिक्री प्रबंधक,
नेशनल बुक ट्रस्ट,
वसंत कुंज,
नई दिल्ली– 110070

प्रिय महोदय,

मुझे आपके द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पुस्तकों की आवश्यकता[1] है :–

1. भारतीय कहानियाँ — दो प्रतियाँ
2. ..... — एक प्रति[2]
3. .....

कृपया उपयुक्त[3] कमीशन काटकर[4] उपर्युक्त[5] सभी पुस्तकें वी. पी. पी. द्वारा ऊपर लिखे पते पर भिजवाने की व्यवस्था[6] करें ।

इस सेक्टर के पुस्तकालय के लिए बच्चों की कुछ अच्छी पुस्तकें खरीदने की योजना[7] है इसलिए नवीनतम पुस्तक–सूची भी भिजवाने की कृपा करें ।

भवदीय,
ए. पी. देवराज

(ङ) Letters of Complaints

(i) गंगा नदी में बढ़ते प्रदूषण[8] के संबंध में संपादक[9] के नाम पत्र

24 दशाश्वमेध घाट
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
दिनांक .....

1. need; 2. one copy; 3. admissible; 4. deducting; 5. above mentioned; 6. kindly arrange to send; 7. plan; 8. pollution; 9. editor

सेवा में

संपादक
आज
वाराणसी, उत्तर प्रदेश

प्रिय महोदय,

वाराणसी का महत्व इसलिए है कि यह नगर भारत का एक पवित्र[1] तीर्थ-स्थल[2] है । काशी में गंगा-स्नान करके लोग अपने को धन्य[3] मानते हैं । पर्व-त्यौहार[4] जैसे विशेष अवसरों पर यहाँ लाखों की संख्या में जनता गंगा-स्नान करने के लिए आती है । इसके अतिरिक्त सारे शहर को पेय जल[5] गंगा से ही मिलता है । अतएव यह कहना उचित होगा कि गंगा प्राणदायिनी[6] नदी है ।

हमें यह देखकर बड़ा दु:ख होता है कि गंगा का पावन[7] जल धीरे-धीरे प्रदूषित होता[8] जा रहा है क्योंकि शहर की गंदी नालियों[9] तथा कारखानों की गंदगी[10] इसमें गिरती रहती है। अतएव,[11] इस पत्र के माध्यम से[12] मैं जल प्रदूषण की गंभीर समस्या[13] की ओर नगरपालिका तथा सरकार के स्वास्थ्य अधिकारियों[14] का ध्यान आकर्षित करना[15] चाहता हूँ । वाराणसी के नागरिकों[16] तथा पर्यावरण-प्रेमियों[17] का भी कर्तव्य है कि वे गंगा में गंदी नालियों के मिलने तथा कारखानों की गंदगी फेंकने के खिलाफ जनता को जागरूक[18] करें।

साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे गंगा सफाई अभियान[19] में लोग अपना सक्रिय[20] सहयोग करें।

भवदीय,

स्वामीनाथन

(ii) सड़क दुर्घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए संपादक के नाम पत्र

हौजखास

नई दिल्ली।

दिनांक .....

सेवा में

संपादक
दैनिक जागरण
बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-110002

---

1. holy; 2. place of pilgrimage; 3. to feel blessed; 4. festival; 5. drinking water; 6. life-giving, source of life; 7. sacred; 8. to be polluted; 9. dirty drain; 10. filth; 11. hence; 12. through; 13. serious problem; 14. Health Officer; 15. to draw attention; 16. citizens; 17. environmentalist; 18. to make aware; 19. campaign; 20. active

प्रिय महोदय,

आपके समाचार पत्र में पिछले दिनों कई पत्र सड़क दुर्घटनाओं[1] के बारे में छपे[2] हैं । इस संबंध में मैं भी अपने सुझाव देना चाहती हूँ ।

दिल्ली में रोज कई सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं, यह अत्यंत चिंता एवं दुख की बात[3] है। इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तुरंत[4] प्रभावी[5] उपाय किए जाने चाहिए । मेरा सुझाव यह है कि अगर यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए तो ये दुर्घटनाएँ कम हो सकती हैं । कई लोग असावधानी[6] से गाड़ियाँ चलाते हैं और यातायात के नियमों का पालन नहीं करते । ऐसे लोगों के विरुद्ध[7] कड़ी कार्रवाई[8] की जानी चाहिए । लोगों को यातायात के नियमों की और अधिक जानकारी[9] दी जानी चाहिए। यातायात नियमों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाना चाहिए।

भवदीय,

लीला पाणिग्रही

## CHANNEL III

### 6.0 MODEL LETTER / पत्रों के नमूने-III

6.1 INVITATION CARDS

Invitation may be personal, social or official.

6.2 Features of Invitation

The format of invitation cards is comparatively formal. Its language has set patterns and expressions.

6.3 MODEL INVITATIONS

(क) Marriage invitation - विवाह का निमंत्रण पत्र

श्रीमती एवं डॉ. के. के. राजू

अपनी सुपुत्री

**आयु. लक्ष्मी**

एवं

**चि. वेंकटेश**

सुपुत्र श्रीमती एवं श्री गणेशन

---

1. road accident; 2. published; 3. a matter of great concern; 4. immediately; 5. effective; 6. carelessly; 7. against; 8. strict action; 9. information

के

शुभ विवाह[1]

के पुनीत अवसर पर वर–वधू को आशीर्वाद देने हेतु

आपको सादर आमंत्रित करते हैं ।

–: कार्यक्रम :–

रविवार, दिनांक 6 जून, 2018

मुहूर्त : प्रातः 9.00 – 10.00

प्रीतिभोज : दोपहर 12 से 2 बजे तक

स्थान : ललित मंडपम्, श्रीनिवास एवेन्यू, चेन्नई– 600023

**उत्तरापेक्षी [2]**
आर. सुब्रह्मण्यम्
18 राज वीथी, चेन्नई – 600098

**शुभेच्छु**
आर. महादेवन
सुधा महादेवन

(ख) Invitation for an official function

(किसी सरकारी समारोह का निमंत्रण)

पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग

केंद्रीय हिंदी निदेशालय

भारत सरकार, नई दिल्ली

दिनांक 24.09.2018 से 29.09.2018 तक

हैदराबाद में आयोजित

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम[3]

के

समापन[4] समारोह[5]

के अवसर पर

आप सादर आमंत्रित हैं ।

1. marriage ceremony; 2. R.S.V.P.; 3. Personal Contact Programme; 4. valedictory; 5. function

श्री नागेश्वर उथप्पा

(केंद्र निदेशक, आकाशवाणी, हैदराबाद)

समारोह की अध्यक्षता[1] करेंगे ।

–: कार्यक्रम :–

स्थान : हैदराबाद हिंदी प्रचार सभा

नामपल्ली रोड, हैदराबाद

दिनांक 29.07.2018, सायं 6.00 बजे

**उत्तरापेक्षी** **निदेशक**

सहायक निदेशक (प.पा.विभाग)

**7.0 SENTENCE PATTERNS / USAGES**

7.1 Use of चूंकि . . . . इसलिए

(i) Read the following sentences :-

चूँकि मैं अस्वस्थ हूँ, इसलिए आज कार्यालय नहीं आ सकूँगा ।[2] (चूँकि Since)

चूँकि इनको हिंदी नहीं आती, इसलिए इन्हें वाराणसी की यात्रा में असुविधा होगी ।

(ii) However, in some cases इसलिए can be omitted. e.g.

चूँकि इनको हिंदी नहीं आती, इन्हें वाराणसी की यात्रा में असुविधा होगी ।[3]

(iii) The same idea can be conveyed by using क्योंकि and also by reversing the order of cause and effect e.g.

इन्हें वाराणसी यात्रा में असुविधा होगी क्यों कि (because) इनको हिंदी नहीं आती

7.2 Verbs requiring the post position से with the compliments.

Certain verbs in Hindi require the use of से such as मिलना, लड़ना (to fight) प्यार करना, घृणा करना (to hate), कहना, पूछना, माँगना etc. e.g.

मैं अभी मैनेजर से मिला ।

तुम भी उनसे मिलो ।

---

1. to preside; 2. Since I am not well, I may not attend the office today; 3. Since he doesn't know Hindi, he will face inconvenience in his Varnasi tour

भगवान बुद्ध सभी जीवों से प्यार करते थे।[1]

किसी से घृणा मत करो ।[2]

मोहन हमेशा सोहन से लड़ता है ।

अध्यापक ने रमेश से क्या पूछा ?

पिता जी से माफी माँगो ।

7.3 predicative use of का

(i) Read the following sentences :-

| | | |
|---|---|---|
| यह बच्चा | दस साल का<br>इसी स्कूल का<br>मेरा | है । |

डिप्लोमा कोर्स एक वर्ष का है ।

घड़ी की गारंटी दो वर्ष की है ।

In the above sentences का is used in the predicate part.

(ii) Note the usage of का in different shades of meaning

| | | |
|---|---|---|
| यह घर राम का है । | Rama's | (possession) |
| यह बच्चा दस महीने का है । | ten months old | (age) |
| यह पेड़ आम का है । | of | (class-membership) |
| यह घड़ी सोने की है । | made of | (material used) |
| यह महीना दिसंबर का है । | of | (name) |
| यह टोपी पंद्रह रुपए की है । | worth | (cost) |
| यह यात्रा बीस किलोमीटर की है। | of | (distance) |
| यह महिला महाराष्ट्र की है । | from | (source) |
| यह पानी घड़े का है । | from | (source) |
| यह कहानी प्रेमचंद की है । | by | authorship |

1. Lord Budha loved all living beings. 2. Don't hate anybody.

7.4 Use of the terminal न to confirm a fact.

(i) Read the following pairs of sentences :-

| | | | |
|---|---|---|---|
| (a) | (i) | क्या वहाँ स्थिति सामान्य है ? | Is the situation normal there ? |
| | (ii) | वहाँ स्थिति सामान्य है न ? | The situation there is normal. Isn't it ? |
| (b) | (i) | क्या तुम्हारे पास आई पैड है ? | Do you have an I Pad ? |
| | (ii) | तुम्हारे पास आई पैड है न ? | You have an I Pad, haven't you ? Don't you have ? |
| (c) | (i) | क्या यह डाकिया है ? | Is he a postman ? |
| | (ii) | यह डाकिया है न ? | He is a postman, Isn't he ? |

(2) You will note that the first sentence in each pair is an interrogative one. The second sentences are also interrogatives with a terminal न but without the initial क्या. The alternative sentences are emphatic and confirmative approximately equivalent to English tag question 'Isn't that' ?

## 8.0 GRAMMATICAL NOTES

8.1 COMPOUND VERBS

(i) Compound verbs in Hindi, are combinations of two verbs denoting one composite idea. Or these, the first verb is the Main verb and the second one is the Intensifier. Now let us observe the function of the Intensifier. Compound verbs may not have exact translation in English.

Compare the following pairs of sentences :-

| | | |
|---|---|---|
| (a) | वह भागा ।<br>वह भाग गया । | He ran<br>He ran away |
| (b) | अपना सामान देखिए ।<br>अपना सामान देख लीजिए । | Please see your things<br>" |

As you observe, the second verb intensifies the meaning of the main verb and in this process, the intensifier loses their original meaning.

(ii) The more common intensifiers are given below :-

जाना, लेना, देना, उठना, बैठना, पड़ना और डालना

(a) जाना denotes completion of an action e.g.

सब लोग कुर्सियों पर बैठ गए ।

थोड़ी देर में गाड़ी चली गई ।

(b) लेना and देना

लेना is used when the action benefits the subject and देना when it benefits other than the subject, e.g.

| | |
|---|---|
| मरीज ने दवा पी ली है । | (for himself) |
| डाक्टर ने मरीज को दवा पिला दी है । | (for someone else) |
| टाइपिस्ट ने अपना पत्र टाइप कर लिया । | (for him/herself) |
| टाइपिस्ट ने मेरा पत्र टाइप कर दिया । | (for someone else) |

Intensifier 'देना' also conveys the sense of 'permission', to allow/to let and the root form of main verb gets ने ending form

| | |
|---|---|
| मुझे काम करने दो । | Let me work. |
| दरबान पहचान पत्र के बिना किसी को अंदर नहीं जाने देता । | The watchman does not allow any one to go in without an identity card |

(c) उठना and बैठना

These intensifiers are used to add the meaning of 'suddenness' and 'abruptness' बैठना also indicates an undesirable action without forethought on the part of the doer, e.g.

सेठ जी गुस्से से चिल्ला उठे ।

तुम बीच में क्यों बोल उठे ?

अरे, मैं यह क्या कर बैठा ?

चपरासी अफसर से लड़ बैठा ।

(d) पड़ना is used to add a sence of 'suddenness', 'chance happening', and 'compulsion'.

| | |
|---|---|
| जोकर को देखकर सब लोग हँस पड़े । | (suddenness) |
| पत्थर से ठोकर खाकर वह गिर पड़ा । | (chance happening) |
| माँ की बीमारी की सूचना मिलते ही उसे गाँव जाना पड़ा । | (compulsion) |

(e) 'डालना' conveys the sense of 'speedy completion' or 'indiscreet action'.

| | |
|---|---|
| दो घंटे में उसने उपन्यास पढ़ डाला । | (speedy completion) |
| मोहन ने चिट्ठी फाड़ डाली । | (indiscreet) |

(f) Compound verbs are not used in negative sentences, e.g.

| | |
|---|---|
| उसने खाना खा लिया । | उसने आज खाना नहीं खाया । |
| रहीम को पाँच रुपए दे दीजिए । | करीम को कुछ न दीजिए । |

(iii) The subject of the compound verb takes ने only when both the components of the compound are transitive verbs, e.g.

| | |
|---|---|
| मोहन ने चिट्ठी डाल दी ।<br>मोहन अचानक बोल उठा । | (both transitive)<br>(main verb alone is transitive) |
| शेर ने बकरी को मार डाला ।<br>शेर बकरी को खा गया । | (both transitive)<br>(main verb alone is transitive) |

8.2 (i) Conjuct verbs are formed by using होना or करना with a noun, or an adjective.

In this process, होना or करना act like verbalisers and the conjunct verb thus formed conveys a composite verbal idea, e.g.

| (a) | Noun | + | verb | = | Conjunct verb | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | बात | + | करना | = | बात करना | to talk |
| | क्षमा | + | करना | = | क्षमा करना | to excuse |
| | आरंभ | + | होना | = | आरंभ होना | to begin |
| (b) | Adjective + Verb | | | | | |
| | अच्छा | + | करना | = | अच्छा करना | to cure |
| | ऊँचा | + | करना | = | ऊँचा करना | to heighten |
| | साफ | + | होना | = | साफ होना | to be cleaned |

(ii) Please observe the use of conjunct verbs in the following example :-

डॉक्टर मरीजों को अच्छा करता है ।[1]

नदियों का जल कारखानों की गंदगी से प्रदूषित होता है ।

सावधानी रखें तो दुर्घटना नहीं होगी ।

मैं उससे बात करूँगा ।

पहले दूध गरम कीजिए ।

क्या आप अपनी गाड़ी थोड़ा आगे करेंगे ?[2]

ड्राइवर, गाड़ी पीछे करो ।[3]

सीता ने यह साड़ी पसंद की ।

हमने मेहमानों को आज विदा किया है ।[4]

(iii) Conjunct verbs and co-occurrence of का (के, की), पर, से etc.

(a) When the noun is verbalised, it takes का or के or की in accordance with its number or gender.

मुझे इस बात का खेद (m) है[5] । गरीबों की सहायता (f) करो।

निदेशक ने आपकी प्रशंसा (f) की । हमने प्रश्नों के उत्तर (m.pl.) दिए ।

(b) The following conjunct verbs take पर before them.

वह बात-बात पर गुस्सा करता है ।

मैं आप पर विश्वास करता हूँ ।

हम पर कृपा करें ।

(c) The following conjunct verbs take से before them.

हम आपसे बात करेंगे । श्याम राधा से प्यार करता है ।

उन्होंने अपने मित्र से विश्वासघात किया । हरीश शीला से शादी करेगा ।

(iv) Negative words न/नहीं/मत are placed in between the two components of the conjunct verbs e.g.

शोर मत करो । नौकरों पर गुस्सा न करें ।

रीता ने हरी साड़ी पसंद नहीं की ।

---

1. The Doctor cures the patient; 2. Will you please take your vehicle a little ahead?; 3. Driver, back the car; 4. We have bid farewell to our guests today; 5. I am sorry for this.

(v) The following passage is designed to highlight use of conjunct verbs.

एक व्यापारी था । रात को वह घर जाने में देर करता था । उसकी पत्नी देर तक इंतजार करती और सो जाती । सुबह वह व्यापारी से प्रार्थना करती कि वह घर जल्दी आया करे । व्यापारी वादा करता परंतु अपना वादा पूरा नहीं करता । उसकी पत्नी से किसी ने शिकायत कर दी कि वह व्यापारी हर रात दो–तीन घंटे क्लब में बरबाद करता है । व्यापारी की पत्नी व्यापारी से नाराज हो गई । उसने अपने पति से बात करना बंद कर दिया । व्यापारी को एक उपाय सूझा । उसने एक रात जल्दी से आकर अपनी पत्नी के पास एक पर्ची रखी उसमें लिखा था मुझे कल सुबह छह बजे हवाई जहाज से जाना है, पाँच बजे जगा देना । वह खुश हो रहा था कि पत्नी को अब बात करनी ही पड़ेगी । व्यापारी सुबह उठा तो सात बज चुके थे। वह नाराज हुआ । वह रसोई घर में गया । उसकी पत्नी दूध गरम कर रही थी । वह अपनी पत्नी से बोला ''मैंने तुम पर भरोसा किया । तुमने मुझे नहीं जगाया ।'' उसके नाराज होने का पत्नी पर कोई असर नहीं हुआ । उसने बिस्तर की ओर इशारा किया । वहाँ एक पर्ची रखी थी उसमें लिखा था, 'पाँच बज गए है उठ जाइए ।'

## 9.0 SUPPLEMENTARY MATERIAL : STOCK EXPRESSIONS

Some useful expressions occurring in letter-writing have been listed below with their English renderings. You should familiarise yourself with the expressions by reading them aloud several times and using them in your communications.

| | | |
|---|---|---|
| (1) | आपका भेजा हुआ निमंत्रण–पत्र मिला । | Received your invitation card. |
| (2) | समारोह की सफलता के लिए शुभकामनाएँ। | Best wishes for the success of the function. |
| (3) | बहू को आशीष, बच्चों को प्यार । | Blessings to daughter-in-law love to the children |
| (4) | यह जानकर तुम्हें खुशी होगी कि..... | You will be glad to know that..... |
| (5) | विवाह की सूचना पाकर हमें बहुत खुशी हुई । | Very happy to learn about the wedding. |
| (6) | सुखमय दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएँ । | Best wishes for a happy married life. |
| (7) | मेरे योग्य सेवा के लिए लिखें । | Please write for any service, I can do. |
| (8) | इस सफलता पर तुम्हें हार्दिक बधाई । | Hearty congratulations to you on this success. |
| (9) | मेरे सभी पाठ नए पते पर भेजने की कृपा करें । | Kindly arrange to send all my lessons to my new address. |
| (10) | मुझे निम्नलिखित पुस्तकों की आवश्यकता है । | I need the following books. |

| | | |
|---|---|---|
| (11) | सभी पुस्तकें वी. पी. पी. द्वारा भेजने की व्यवस्था करें । | Please arrange to send all the books by V.P.P. |
| (12) | कृपया उपयुक्त कमीशन काटने का कष्ट करें। | Please allow admissible commission. |
| (13) | आपके ऑर्डर के अनुसार । | As per your order. |
| (14) | आपकी यात्रा आनंदमय और सकुशल हो । | Wish you a pleasant and safe journey. |
| (15) | आपकी शुभकामनाओं के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। | Many thanks for your good wishes. |
| (16) | कार्यक्रम नीचे दिया जा रहा है । | The programme is given below. |
| (17) | आपकी सूचना के लिए । | For your information. |
| (18) | इसलिए आपसे प्रार्थना है कि... | It is therefore, requested that..... |
| (19) | शीघ्र कार्रवाई के लिए । | For an early action. |
| (20) | आवश्यक कागज संलग्न हैं । | Necessary papers are enclosed. |

— * —